

“万物一体”思想与中华诗学的审美特征

张 璞

内容提要

关键词

100024

一、从张世英的“人—世界”在世结构谈起

[1]

10wz019

[1]

2008 30

[1]

[2]

[3]

[4]

[5]

| | |
|--------|------|
| [1] | 293 |
| [2] | 1983 |
| [3] | 2004 |
| [4][5] | 104 |
| | 1978 |
| | 65 |
| | 62 |

[1]

[2]

[3]

[4]

[5]

[6]

[7]

[8]

[9]

[1][2][3]

1981 15 63 74

[4]

7

[5]

1986 107

[6]

[7][8][9]

1986 2 3 4

三、从“万物一体”观念生发出的中华美学气质

[1]

[2]

[3]

[4]

[1][2]

[3] 1844

[4]

1979 39 39

1979 78

2011 8

[1]

[2]

[3]

[4]

[5]

[6]

[7]

| | | | | | |
|--------|------|------|------|-----|--|
| [1] | 1987 | 107 | | | |
| [2][3] | | 1958 | 632 | 603 | |
| [4] | 1995 | 451 | | | |
| [5] | | 1962 | 291 | | |
| [6] | 2006 | 177 | | | |
| [7] | | 1983 | 1139 | | |

[1]

Naturdinge ()
Naturleibem

[2]

[3]

[4]

| | | | | |
|-----|------|-----|------|-----|
| [1] | 1992 | 968 | | |
| [2] | | | 1997 | 878 |
| [3] | | | 1958 | 695 |
| [4] | | | 1999 | 61 |

[1]

[2]

[3]

[4]

[5]

[6]

四、“万物一体”的当代美学价值

[2]

[3]

[4]

[5]

| | |
|--------|------------|
| [1] | 1181 |
| [2] | 1983 |
| [3] | 2004 |
| [4][5] | 25 25 |